सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 250 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 17 अक्टूबर, 2025

उस व्यक्ति ने अमरत्व प्राप्त कर लिया है, जो किसी सांसारिक वस्तु से व्याकुल नहीं होता।

-स्वामी विवेकानंद

अभिषेक-स्मृति बने सितंबर के सर्वश्रेष्ठ... 7 | सियासत में धार्मिक विषयों पर... 3 | प्रदेश में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह... 2

हरिओम की राख से भड़की सियासी चिंगारी

पीडीए की धमक से 27 में बीजेपी होगी खाक

परिवार को डरा कर बनाया गया वीडियो : राहुल

- राहुल गांधी ने की रायबरेली में मॉब लिंचिंग में मारे गये दलित युवक के परिजनों से मुलाकात
- नेत प्रतिपक्ष ने सीएम योगी से बाल्मीकि परिवार की रक्षा करने की अपील की
- पीड़ित परिवार को डरा कर वीडियो बनाने की भी बात राहुल गांधी ने कही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फतेहपुर। फतेहपुर की तपती दोपहर में जब राहुल गांधी हरिओम वाल्मीकि के घर पहुंचे तो माहौल में सन्नाटा घुल गया। रायबरेली की मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक के परिवार की आंखों में सिर्फ आंसू नहीं बल्कि न्याय की भूख थी। राहुल जैसे ही बैठक में दाखिल हुए हरिओम की बहन खुद को रोक नहीं पाई और वह राहुल गांधी से लिपटकर फूट-फूटकर रोने लगी। वहां पीड़ित परिवार की सिसकियां थी और इंसानियत बोल रही थी।

राहुल गांधी करीब 25 मिनट तक वहां रूके और मृतक के पिता, भाई और बहन से बात की, उनका दर्द सुना और जुल्म की हर परत को समझा। बाहर निकलते ही उन्होंने सीधा वार किया और कहा कि इस सरकार में दलितों पर अत्याचार अब व्यवस्था का हिस्सा बन चुका है। यह बयान महज शब्द नहीं था, बल्कि दलित राजनीति के इंजन में डाली गई एक नई चिंगारी थी जिसका इंतजार राहुल गांधी को यूपी की धूल भरी सड़कों पर राजनीतिक आग कब बनने का है। राहुल गांधी ने कहा कि पूरे देश में दलितों की हत्या और बलात्कार की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की कि वे हरिओम के परिवार की रक्षा करें। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि परिवार को धमकाकर वीडियो बनाया गया कि वे उनसे नहीं मिलना चाहते। राहुल गांधी का कहना है कि परिवार की सुरक्षा और स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और लोग इस घटना पर सरकार के जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

सत्ता से सवाल पूछा

राहुल गांधी की फतेहपुर यात्रा केवल एक यात्रा नहीं रहीं बल्कि यह एक संदेश और संकल्प बन चुकी है। जहां आसू राजनीति से टकराए और सन्नाटा सत्ता से सवाल पूछ गया। हरिओम वाल्मीकि का नाम अब किसी केस फाइल में नहीं बल्कि दलित अस्मिता की लड़ाई में दर्ज हो गया है।

दलित दर्द और सत्ता की बेरुखी

उत्तर प्रदेश में दलितों पर अत्याचार के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। एनसीआरबी के मुताबिक पिछले पांच सालों में दलित उत्पीड़न के मामलों में 30 फीसदी की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है। यही नहीं दोषियों के खिलाफ कार्रवाई में भी गिरावट आयी है। गांव थानों में जाति का ठप्पा अब न्याय से बड़ा हो गया है। राहुल की यह रणनीति सीधे पीएम मोदी के विकास नैरेटिव को चुनौती देती है। जहां भाजपा विकास और स्थिरता की बात करती है। वहीं राहुल सम्मान और समानता की लड़ाई को उठाते हैं। फतेहपुर की इस मुलाकात में जो आंसू गिरे वह सिर्फ एक परिवार के नहीं थे वो उस भारत के थे जहां जाति अब भी इंसानियत को मात देती है।

फिर गरमाया राहुल का पीडीए इंजन

राहुल गांधी आज सिर्फ कांग्रेस नेता नहीं बल्कि पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) समीकरण के नए मेकैनिक बन गए हैं। वह हर राज्य में अब दर्द की राजनीति को मुद्दों की भाषा में ढालने लगे हैं। चाहे मणिपुर हो, हरियाणा हो या फिर उत्तर प्रदेश राहुल गांधी का रुख साफ है उन्होंने तयकर लिया है कि यदि दलित उत्पीड़न पर अगर सरकार चुप रहेगी तो सड़क बोलेगी। हरिओम वाल्मीकि की हत्या किसी अकेले परिवार का गम नहीं है बल्कि उस व्यवस्था का आईना है जो जाति देखकर इंसाफ तौलती है। राहुल ने उसी आईने में झांकने की कोशिश की है। उनका वाल्मीकि परिवार से मिलना संवेदना के साथ एक राजनीतिक संकेत भी है कि अब कांग्रेस दलितों की सुनवाई नहीं बल्कि साझेदारी की मांग पर उतरी है।

प्रदेश में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चौपट: अखिलेश यादव

» कहा- स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता से हो रही है लूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी सरकार पर करारा हमला बोला है। प्रदेश के पूर्व सीएम ने आरोप लगाया कि प्रदेश में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चौपट है। आए दिन बिजली कटौती और बिजली दरों में वृद्धि से लोगों का जीना दूभर हो गया है। पावर कारपोरशन खुद अपने कायदे कानूनों की धज्जियां उड़ा रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में 10 सितम्बर से 6 अक्टूबर तक 1.74 लाख नए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन हुए जिसमें बढ़ी दरों की वजह से 37,043 आवेदकों के मामले लंबित रह गए। विद्युत उपभोक्ता परिषद ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के सम्बंध में अंतिम निर्णय तक आवेदकों से ली गई धनराशि वापस देने का भी अनुरोध किया। इस सम्बंध में विद्युत अधिनियम 2003 का हवाला दिया गया।

इसमें उपभोक्ता को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर में चुनाव का प्रावधान है लेकिन विभागीय मनमानी चल रही है। पावर कारपोरेशन की कार्यप्रणाली में खामियों के चलते घाटा होने से उसकी भरपाई उपभोक्ता से करने की साजिश हो रही है। पावर कारपोरेशन ने नए पावर कनेक्शन के साथ प्रीपेड मीटर लेना आवश्यक कर दिया है। आरोप लगाया कि सरकार की मंशा बिजली व्यवस्था को पूंजीपतियों के हाथ में गिरवी रख देने की है।

सरकार ने एक यूनिट बिजली का उत्पादन तक नहीं किया

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने एक यूनिट बिजली का उत्पादन किया नहीं लेकिन उपभोक्ताओं को महंगी बिजली और घरों पर स्मार्ट मीटर लगाकर लूटना शुरू कर दिया है। गरीबों के लिए विद्युत कनेक्शन एक हजार रुपये की जगह अब 6 हजार रुपए में मिलेगा। गांवों में 1 किलोवाट लोड पर 1,172 रुपये कनेक्शन चार्ज था अब वह 6,216 रुपये हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुनाफाखोरी, कंपनियों से चंदा वसूली और ठेकों से कमीशनखोरी के कारण महंगाई बेतहाशा बढ़ गयी है।

बाढ़ के मुआवजे में देरी कर रही मान सरकार: सुखबीर सिंह बादल

» शिअद अध्यक्ष ने पंजाब के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने शनिवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान पर आरोप लगाया कि उन्होंने पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए धन जारी करने में सरकार की विफलता को छिपाने के लिए राज्य विधानसभा की विशेष बैठक में 'नाटक रचा'।

शिअद अध्यक्ष इस निर्वाचन क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे थे, जिसके दौरान उन्होंने 100 गांवों के लिए मक्के की 200 ट्रॉलियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बादल ने यहां जारी एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री को पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र का उपयोग बाढ़ से क्षतिग्रस्त सभी फसलों को शामिल करने के लिए मुआवजे का दायरा बढ़ाने के लिए करना चाहिए था और यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि मुआवजा प्रति किसान पांच एकड़ तक सीमित न रहे और इसे बढ़ाकर 50,000 रुपये प्रति एकड़ किया जाए। बादल ने कहा, लेकिन उन्होंने दुष्प्रचार में शामिल होने के लिए करोड़ों रुपये बर्बाद करने का विकल्प चुना। उन्होंने कहा, केंद्र से पर्याप्त मुआवजे की मांग करना अच्छी बात है, लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार को पहले अपने पास मौजूद 12,000 करोड़ रुपये की राज्य आपदा प्रतिक्रिया निधि बाढ़ प्रभावितों को वितरित करनी चाहिए और फिर केंद्र से अतिरिक्त धनराशि की मांग करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुआवजे के नियम तोड़े जा रहे हैं, फसल नुकसान पर 20,000 रुपये प्रति एकड़ तय किए गए हैं, जबकि राजस्व कर्मचारियों द्वारा केवल 25-50 प्रतिशत दावा स्वीकार किए जाने से किसानों को 2,000-5,000 रुपये प्रति एकड़ ही मिलेंगे।

सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने को तैयारी करें : मायावती

» भाजपा की बी टीम होने के आरोप पर सपा में बिफरीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो ने पार्टी प्रदेश कार्यालय पर यूपी और उत्तराखंड के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित रैली को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों का आभार जताया और सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने के लिए आगामी यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारी में तन, मन, धन के साथ जुटने की अपील की।

उन्होंने कहा कि बसपा करोड़ों गरीबों, शोषितों-पीड़ितों के खून-पसीने के सहयोग से चलने वाली पार्टी है। बसपा ने दूसरी पार्टियों की तरह वोट के राजनीतिक स्वार्थ की खातिर नहीं, बल्कि देशहित में कार्य किए हैं। किराये पर रैली व जनसभा आदि करने वाली विरोधी पार्टियों के नेता बसपा की रैली के सफल होने पर 'खिसयानी बिल्ली खंभा नोचे' जैसा बर्ताव कर रहे हैं, जो इनकी जातिवादी चाल, चरित्र व चेहरे का प्रमाण है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि अगर सपा सरकार ने बहुजन समाज में जन्मे महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों के आदर-सम्मान में बनाए नये जिलों, यूनिवर्सिटी, कालेज, अस्पताल व अन्य संस्थानों आदि के नाम बदलने के साथ इन वर्गों के आरक्षण और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को निष्क्रिय व निष्प्रभावी नहीं किया होता तो उनका नाम 2 जून 1995 की स्टेट गेस्ट हाऊस कांड की तरह ही इतिहास के काले पन्नों में दर्ज होने से बच सकता था। अभी भी इसका पछतावा व पश्चाताप नहीं होना राजनीतिक द्वेष, छलावा व बेईमानी नहीं तो और क्या है।

गांव-गांव तक पहुंचाएं संदेश

बैठक में पदाधिकारियों ने बताया कि उनके संदेशों को गांव-गांव तक भी पहुंचाया जाएगा। यूपी विधानसभा मिशन-2027 के तहत पूर्ण बहुमत की सरकार फिर से बनाने में पूरे जी-जान से काम करेंगे। मायावती ने कहा कि गांवों में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत किया जाए। इस कार्य की नियमित समीक्षा हो, जिसकी रिपोर्ट सीधे मुझे भेजी जाए। वहीं दूसरी ओर मायावती ने नौशाद अली को लखनऊ मंडल में संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं मुनकाद अली को पश्चिमी उप्र और अखिलेश अंबेडकर को अयोध्या की कमान सौंपी गई है।

बिहार चुनाव में 90 प्रत्याशी घोषित

बसपा ने बिहार चुनाव में अपने 90 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा भी कर दी है। बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर बिहार यूनिट ने प्रत्याशियों की दो सूची जारी की हैं। वहीं मायावती, राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद, नेशनल कोआर्डिनेटर रामजी गौतम समेत 40 स्टार प्रचारकों के नाम भी घोषित कर दिए गए हैं। बता दें कि बिहार चुनाव की कमान संभाल रहे आकाश आज आयोजित बैठक में शामिल नहीं हुए थे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

महाराष्ट्र में आधे से ज्यादा मंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त: राउत

» शिवसेना यूबीटी नेता बोले- गुजरात की तरह बदले जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना उद्धव गुट (यूबीटी) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र की राजनीति और चुनावी प्रक्रि याओं को लेकर लगातार सवाल उठाए हैं। राउत ने कहा कि जिस तरह गुजरात में सभी कैबिनेट मंत्रियों ने इस्तीफा दिया, उसी तरह महाराष्ट्र में भी यह कदम उठाने की जरूरत है। उनका कहना है कि महाराष्ट्र में आधे से ज्यादा मंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, लेकिन उन्हें पद से इसलिए नहीं हटाया जाता क्योंकि यहां से बैग भरकर पैसा दिल्ली पहुंचाया जाता है.

राउत ने यह भी आरोप लगाया कि अमित शाह और केंद्र सरकार दिल्ली से बैठकर गुजरात और महाराष्ट्र दोनों राज्यों को नियंत्रित कर रहे हैं। संजय राउत ने अपने बयान में स्थानीय प्रशासन और जनता के हित को ध्यान में रखते हुए कहा कि भ्रष्ट मंत्रियों को हटाना जरूरी है, ताकि राज्य में ईमानदार और जवाबदेह शासन सुनिश्चित किया जा सके। उनका यह भी कहना था कि यदि राज्य के स्थानीय नेता ईमानदारी से काम करते तो यह कदम पहले ही उठाया जाना चाहिए था। इसके अलावा, राउत ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर भी चिंता जताई. उन्होंने बताया कि मुंबई नगर निगम और ठाणे में चुनाव के लिए होटल लिस्ट में कई समस्याएं हैं. इसमें कई होटलों के नाम डुप्लीकेट, गलत जोड़ और हटाने की जानकारी और अन्य कई समस्याएं पाई गई हैं। इसके कारण बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम लिस्ट से गायब हैं और जिम्मेदारी स्पष्ट नहीं है।

राउत ने कहा कि जब तक यह होटल लिस्ट सुधार नहीं ली जाती, तब तक चुनाव आयोजित करना लोकतंत्र का मजाक बनाने जैसा होगा। उन्होंने मुख्य चुनाव अधिकारी से मुलाकात कर इस मुद्दे को उठाया और स्पष्ट किया कि चुनाव की प्रक्रिया साफ और पारदर्शी होनी चाहिए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संजय राउत का यह बयान न केवल भ्रष्टाचार और सत्ता हस्तक्षेप के मुद्दे पर केंद्रित है, बल्कि आगामी चुनावों को लेकर भी संदेश और चेतावनी का रूप ले रहा है, उन्होंने यह साफ किया कि जनता को सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव का अधिकार है। संजय राउत की इन टिप्पणियों ने महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है. उन्होंने केंद्र सरकार और राज्य मंत्रियों दोनों पर कटाक्ष किया है, साथ ही लोकतंत्र की रक्षा और चुनाव प्रक्रि या की पारदर्शिता को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है, उनका यह बयान आने वाले दिनों में राजनीतिक बहस और चुनावी रणनीतियों में अहम भूमिका निभा सकता है।

आजम खां की बिगड़ी तबियत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। रामपुर से पूर्व विधायक और समाजवादी नेता आजम खान की तबियत अचानक बिगड़ गयी है। शुरुआत में खबर आई कि उन्हें दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जहाँ डॉक्टर उनकी देखरेख कर रहे हैं। लेकिन उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां के मुताबिक आजम खान की तबियत खराब है और उनकी सांस काफी फूल रही है। घर पर ही उनके फैमिली डॉक्टर देख रहे हैं। अगर हालत में सुधार नहीं हुआ तो दोपहर बाद दिल्ली ले जाएंगे।

फिलहाल वे अभी रामपुर में घर पर ही हैं। आजम खान गुरूवार को अपने खिलाफ सुनवाई में एमपी-एमएलए कोर्ट में भी पेश नहीं हुए थे। उनके वकील ने हाजरी मारी की एप्लीकेशन लगाई थी। जिसमें उनकी तबियत बेहद खराब का हवाला दिया गया था। आजम खान के मामलों में लगातार सुनवाई चल रही है।

आत्मसमर्पण केवल साय सरकार का इवेंट: सुशील आनंद शुक्ला

» भूपेश सरकार के विश्वास और विकास से पीछे हटा नक्सलवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। नक्सलवाद के पीछे हटने और नक्सलियों के समर्पण के लिए कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार की नीतियां कारगर रही हैं। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जो विश्वास, विकास, सुरक्षा का मूलमंत्र लेकर नक्सलवाद पर काम किया था।

सुदूर बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में सड़कें बनवाई और सुरक्षाबलों के कैंप स्थापित किया, बस्तर में शिक्षा और रोजगार के साधन जुटाये। उससे बस्तर की जनता का भरोसा सुरक्षा बलों के प्रति बढ़ा। सुरक्षा बल बस्तर में कांग्रेस सरकार के समय ही नक्सलवाद पर 65 प्रतिशत तक काबू पा चुके थे। यह बात 2021 में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने स्वीकार किया था कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद 65 प्रतिशत तक कम हो गया है। ये बातें प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहीं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद बस्तर संभाग में केवल 40 किमी तक सिमट गया था। वर्तमान सरकार तो नक्सलवाद नियंत्रण पर केवल बयानबाजी करती है। जगलपुर में नक्सलियों का सेरेंडर केवल सरकार का प्रोपोगंडा इवेंट है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शुक्ला ने कहा कि पिछले कुछ माह से सरकार आंकड़े जारी करके दावा करती है कि इतने संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, लेकिन सरकार समर्पित नक्सलियों का विस्तृत ब्यौरा नहीं जारी कर पाती। सरकार समर्पित नक्सलियों का ब्यौरा जारी करने में परहेज क्यों करती है? जब उनका फोटो सार्वजनिक किया जा सकता है फिर वे किन वारदातों में शामिल थे? कितने अपराध उनके ऊपर दर्ज है तथा समर्पण के समय उन्होंने कौन-कौन से हथियार पुलिस के पास जमा कराये सरकार यह भी सार्वजनिक करे?

सियासत में धार्मिक विषयों पर बयान देंगे नया मकाम

भाजपा के साथ-साथ सपा के नेताओं निकले बोल

» 2027 यूपी विधान सभा में बनेंगे मुद्दा
» सपा ने अपने नेताओं के बयान से किया किनारा
» बीजेपी ने सपा मुखिया पर किया प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सियासत में धार्मिक विषयों को लेकर राजनेताओं द्वारा की जाने वाली बयानबाजी अक्सर चर्चा में रहती है। खासतौर से बीजेपी इस तरह के मुद्दों को हवा देने में तेजी दिखती है। जैसे-जैसे 2027 यूपी विधानसभा चुनाव करीब आ रहें है वैसे-वैसे सियासी बयानबाजी भी रफ्तार पकड़ने लगें हैं। बीजेपी की तरह सपा नेता भी खूब बयानबीर बने रहे हैं। हालांकि ऐसे नेताओं को पार्टी आलाकमान से डांट भी खानी पड़ती है।

दीपावली के ठीक पहले समाजवादी पार्टी से चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह ने कुछ ऐसा कहा है जो सुर्खियों में है। सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने भगवान राम राजा, हरिश्चंद्र, गौतम बुद्ध को समाजवादी विचारधारा को मानने वाला महापुरुष बताया है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि भगवान राम के वनवासी वाले व्यक्तित्व को समाजवादी के लोग मानते हैं, जबकि उनके राजा वाले व्यक्ति को बीजेपी वाले मानते हैं।

प्राचीन काल में भी दो विचारधारा रही है जिसमें एक सामंतवादी और दूसरी समाजवादी : वीरेंद्र सिंह

समाजवादी पार्टी के सांसद वीरेंद्र सिंह से सवाल किया गया कि वर्तमान समय में कौन सा राजनीतिक दल भगवान राम के आदर्शों पर चल रहा है। इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम व गौतम बुद्ध हरिश्चंद्र यह समाजवादी विचारधारा को मानने वाले थे। जिसके अनुसार पीड़ित शोषित वंचित लोगों के अधिकारों की रक्षा करना प्रथम उद्देश्य है और वही भगवान राम ने किया। सपा सांसद ने कहा कि भगवान राम का एक व्यक्तित्व वनवासी के तौर पर था जिसे हम सभी समाजवादी लोग मानते हैं, जबकि बीजेपी वाले उनके मंदिर बनवाने से लेकर उन्हें अयोध्या में लाने का दावा करते हैं। वह तो भगवान राम को एक राजा के रूप में मानते हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि पीडीए एक प्लेटफार्म है जहां पीड़ित, शोषित, वंचित लोगों को उनका अधिकार मिलता है और भगवान राम ने ऐसे लोगों के अधिकारों की हमेशा रक्षा की है, इसलिए वह समाजवादी विचारधारा को मानने वाले रहे, प्राचीन काल में भी दो विचारधारा रही है जिसमें एक सामंतवादी और दूसरी समाजवादी।

मायावती व योगी पर भी हमला

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा तंज कसते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ को घुसपैठिया बताने वाले बयान पर सहमति जताते हुए वीरेंद्र सिंह ने कहा कि हमारे नेता ने एसआईआर के संदर्भ में यह बात कही है और हर कोई चाहे वह मुख्यमंत्री जी हो या देश का आम व्यक्ति जब उसे अपनी पहचान बताना है तो यह गलत कहां से हो सकता है, हमसे आपसे किसी से भी पूछा जा सकता है कि आप कहां के रहने वाले हैं, वहीं बसपा सुप्रीमो के विशाल रैली पर कहा कि दरअसल यूपी चुनाव के दृष्टिकोण से अब बसपा से देरी हो चुकी है, हालांकि रैली में बहन जी ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका समर्थन भारतीय जनता पार्टी को ही है।

महंत राजू दास से मुलाकात के बाद मुस्कान मिश्रा पर एक्शन

समाजवादी पार्टी ने महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव मुस्कान मिश्रा को पद से हटा दिया है। अयोध्या में हनुमान गढ़ी के पुजारी राजू दास के साथ मुस्कान मिश्रा की तस्वीर सामने आने के बाद सपा ने ये एक्शन लिया है। जिसके बाद सियासत तेज हो गई हैं। तीन महीने पहले ही उन्हें ये जिम्मेदारी दी गई थी। मुस्कान मिश्रा ने इसी रविवार को अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन किए थे, इस दौरान वो हनुमान गढ़ी महंत राजू दास से भी मिली थीं, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई थीं। महंत राजूदास ने समाजवादी पार्टी और मुलायम सिंह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद ये एक्शन लिया गया है। मुस्कान मिश्रा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं, सोशल मीडिया पर बड़ी फैन फॉलोइंग हैं, उनके 6.68 लाख फॉलोवर्स हैं, समाजवादी पार्टी के कार्यक्रमों के बीच उनकी काफी सक्रियता रहती हैं तीन महीने पहले ही सपा ने उन्हें राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी थी। उन्हें युवाओं को सपा के साथ जोड़ने की जिम्मेदारी दी गई थी।

मैं अपनी श्रद्धा से मिली : मुस्कान

सपा से पदमुक्त किए जाने पर मुस्कान मिश्रा की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि मैं इस रविवार को ही अयोध्या गई थी, जहां रामलला के दर्शन किए, इसके बाद मैं गुरूजी (महंत राजूदास) से मिली थी, मैं किसी पार्टी की ओर से नहीं मिली थी, मैं उनके बारे में नहीं जानती थी, मैं अपनी श्रद्धा से ही उनसे मिली थी। मुस्कान ने कहा कि मैंने पार्टी को इस बारे में सफाई दी है कि मैं राम मंदिर बनने के बाद पहली बार दर्शन करने गई थी, गुरूजी से मेरा कोई लेना देना नहीं है, पार्टी का कहना है कि उन्होंने हमारे माननीय नेताजी (मुलायम सिंह यादव) पर टिप्पणी की थी, जिसके बाद ये कार्रवाई की गई। मुस्कान मिश्रा ने कहा कि पार्टी ने मुझे बिना बताए, बिना सूचना के पदमुक्त किया गया, मुझे पहले से इसकी जानकारी भी नहीं दी गई थी। मैंने अपनी बात सोशल मीडिया पर रखी हैं। मेरी बात अखिलेश जी तक जाती है या नहीं, ये तो मैं नहीं बता सकती हैं, लेकिन, मैंने जूही सिंह (सपा महिला सभा की अध्यक्ष) से संपर्क करने की कोशिश की है और उनसे पूछा है कि ये कार्रवाई क्यों की गई। सपा के एक्शन के बाद मुस्कान मिश्रा ने कहा कि मैं सनातनी हूं, तो मैं हमेशा सनातन धर्म को निभाऊंगी ये मेरा कभी नहीं छूट सकता चाहे मैं किसी पार्टी में रहूं।

किसानों को लेकर मप्र में फिर घमासान

पुलिस ने रोका तो पीसीसी से पैदल गए पटवारी

» प्रदेश कांग्रेस ने कृषि मंत्री को घेरा
» जीतू पटवारी पहुंचे शिवराज के बंगले पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र में किसानों को लेकर फिर घमासान मच गया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी किसानों के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सरकारी आवास पर अचानक पहुंचे। किसानों की फसलों के उचित दाम न मिलने और भावांतर योजना की जगह सीधा समर्थन मूल्य देने की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया गया। पुलिस ने रोका रोका तो पटवारी पीसीसी से पैदल ही निकल पड़े।

भोपाल में बुधवार को प्रदेश की सियासत उस समय गरमा गई जब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी किसानों के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सरकारी आवास पर अचानक पहुंच गए। किसानों की फसलों के उचित दाम न मिलने और भावांतर योजना की जगह सीधा समर्थन मूल्य देने की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया गया। खास बात यह है कि जब पुलिस ने कांग्रेसियों को रोकने की कोशिश की तो पटवारी पीसीसी से पैदल बंगले तक गए। और इस दौरान अनाज को बोरियां भी साथ में लिए हुए थे।

कांग्रेस पर एफआईआर दर्ज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख डॉ. मुकेश नायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मामला बिना अनुमति के धरना प्रदर्शन करने और शासकीय कार्य में बाधा डालने को लेकर दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई टीटी नगर थाना पुलिस द्वारा की गई है।

शिवराज खुद आए बाहर, नेताओं को घर के भीतर बुलाया

आखिरकार जब प्रदर्शनकारी शिवराज सिंह चौहान के आवास तक पहुंच गए, तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई। एक बोरी फटने से अनाज सड़क पर फैल गया, और कांग्रेस कार्यकर्ता वहीं बैठकर नारे लगाने लगे। इस बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह खुद बाहर आए और जीतू पटवारी समेत कुछ नेताओं को बातचीत के लिए भीतर बुलाया। दोनों पक्षों के बीच कुछ देर चर्चा चली, लेकिन बाहर मौजूद कार्यकर्ता बंगले के अंदर जाने की जिद करते रहे, जिससे मौके पर पुलिस और कार्यकर्ताओं में हल्की झड़प भी हुई।

पीसीसी दफ्तर से निकाला पैदल मार्च

इससे पहले किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में करीब डेढ़ दर्जन किसान कांग्रेस कार्यालय पहुंचे और जीतू पटवारी से मुलाकात की। इसके बाद सभी ने मिलकर शिवराज सिंह से मिलने का फैसला लिया। जैसे ही यह जत्था रेड क्रॉस चौराहे की ओर बढ़ा, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोकने की कोशिश की। कई बार वाहन और अवरोधक लगाकर कांग्रेसियों को रोका गया, लेकिन जीतू पटवारी पुलिस को चकमा देते हुए लगातार आगे बढ़ते रहे।

शिवराज के बंगले के सामने बिखेरा गया गेहूं, नारेबाजी के बीच भिड़ंत

प्रदर्शनकारियों ने शिवराज के बंगले के सामने सड़क पर गेहूं की बोरियां खाली कर दीं और सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि सरकार किसानों को ठग रही है, और बार-बार सिर्फ वादे किए जा रहे हैं, जबकि जमीनी स्तर पर राहत नहीं मिल रही।

कांग्रेस का आरोप-किसानों के साथ धोखा

जीतू पटवारी ने कहा कि पूर्व में बतौर मुख्यमंत्री और अब कृषि मंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को केवल भावांतर योजना के जरिए ठगा है। उन्होंने मांग की कि किसानों को फसल का उचित मूल्य सीधा दिया जाए, न कि फॉर्मूला आधारित छूट देकर भ्रम फैलाया जाए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरकारें कब समझेंगी आम लोगों के जीवन की कीमत

आए दिन देश में सरकारों के भ्रष्ट व्यवस्था की वजह से हजारों असमय ही काल के गाल में समा जाते हैं। कभी कहीं बस जलने से लोग मर जाते है तो कहीं छोटे बच्चे गलत दवाई पीने से जान गवां बैठते हैं। कुछ दिनों तक ये दुर्घटनाएं खबरें बनतीं हैं फिर सरकारें कोई अनौपचारिक जांच कमेटी बनाकर अपने कर्तव्यों की इतीश्री कर लेती हैं। आम जन बस एक सवाल अपनी सरकारों से पूछता है कि उनकी जान की कीमत कब आंकी जाएगी। राजनीतिक दलों और सरकारों की निगाहों में देश में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं रह गई है। इसका नया प्रमाण मध्यप्रदेश और राजस्थान में दूषित खांसी की सीरिप से होने वाली मौतें हैं। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में मिलावटी सीरिप पीने से 11 और राजस्थान में तीन बच्चो की मौत हो गई। यह पहली बार नहीं है जब देश में स्वास्थ्य सेवाओं से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। इससे पहले भी विदेश में निर्यात की जाने वाली खांसी की सीरिप से मौतों के मामले सामने आ चुके हैं। उस वक्त यदि देश के औषिधी विभाग ने सख्त कदम उठाए होते तो जहरीली सीरिप पीने से बच्चों की होने वाली मौतों को रोका जा सकता था।

आश्चर्य की बात यह कि राजस्थान और मध्यप्रदेश की सरकारें मानने से ही इंकार करती रही कि बच्चों की मौतें विषाक्त सीरिप पीने से हुई है, जब मृतकों की संख्या बढ़ने लगी तब कहीं जाकर सरकार में बेमन से इस हादसे को स्वीकार किया। छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरिप से 11 बच्चों की मौत के बाद प्रशासन ने डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार किया गया। कंपनी और डॉक्टर पर मामला दर्ज कर सरकार ने सिरिप व श्रेसन फार्मा की सभी दवाओं पर प्रतिबंध लगाया। इसके बावजूद राजस्थान की सरकार नहीं चेती। राजस्थान में भाजपा सरकार बच्चों की मौतों के मामलों में लीपापोती ही करती नजर आई। तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की लैब जांच में कोल्ड्रिफ सिरिप में 46.2 प्रतिशत डायएथिलीन ग्लाइकॉल की पुष्टि हुई। यह जहरीला केमिकल किडनी फेलियर का कारण बनता है। वहीं, नेक्स्ट्रो-डीएस और मेफटॉल पी सिरिप की रिपोर्ट सुरक्षित आई। केंद्र सरकार ने बच्चों को कफ सिरिप देने में सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस मामले की गहराई से जांच करने के लिए केंद्र और राज्य की एजेंसियों ने मिलकर एक बड़ी पड़ताल की। जांचकर्ताओं ने पुष्टि की है कि जिन कफ सिरिप पर संदेह था, उनमें कोई भी जहरीला रसायन नहीं मिला है। जांच अभी पूरी नहीं हुई है और अन्य संभावित कारणों की पड़ताल जारी है। यह पहला मामला नहीं जब कफ सीरिप से मौतों को लेकर बवाल मचा है। साल 2022-23 में गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में भी भारतीय कफ सिरिप्स से बच्चों की मौत हुई थी।

“ राजनीतिक दलों और सरकारों की निगाहों में देश में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं रह गई है। इसका नया प्रमाण मध्यप्रदेश और राजस्थान में दूषित खांसी की सीरिप से होने वाली मौतें हैं। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में मिलावटी सीरिप पीने से 11 और राजस्थान में तीन बच्चो की मौत हो गई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पटाखों पर राजनीति के बजाय तार्किक समाधान निकालें

योगेश कुमार सोनी

बीते दशक से दिल्ली में दिवाली के आसपास प्रदूषण की स्थिति खतरनाक हो जाती है और कोर्ट का मानना है कि पटाखों से प्रदूषण और अधिक बढ़ जाता है। लेकिन इस प्रकरण की अहम बात यह है कि पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद बिक्री में कोई कमी नहीं आती, क्योंकि प्रशासन की नाक के नीचे दुकानदार धड़ल्ले से पटाखे बेचते हैं और लोग जमकर खरीदते भी हैं। बीते 7 अक्टूबर को दिल्ली सरकार ने कहा था कि वह सुप्रीम कोर्ट जाएगी और ग्रीन पटाखों की अनुमति लेगी। वर्ष 2019 से दिल्ली में सभी पटाखों पर बैन है और मुख्यमंत्री ने जनभावना को देखते हुए सीमित ग्रीन पटाखे चलाने की इजाजत मांगी थी। दिल्ली सरकार ने कहा है कि अगर सुप्रीम कोर्ट पटाखों से प्रतिबंध हटाता है तो वह ऐसे सभी कदम उठाने को तैयार है, जिनसे निर्देशों का पूरी तरह पालन हो सके।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अगर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध हटा लिया जाता है तो हम अदालत के आदेश के आलोक में आवश्यक कदम उठाने के लिए तुरंत एक बैठक करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि आदेश का पालन हो। सरकार जिन पटाखों की पैरवी कर रही है, उनके विषय में यह बताया जाता है कि ग्रीन पटाखों से सामान्य पटाखों की तुलना में 30 प्रतिशत कम प्रदूषण होता है। लेकिन कई वर्षों से पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार न तो इसके लिए कोई ठोस काम कर पाई थी और न ही जागरूकता फैला पाई थी। इस बार बारी भारतीय जनता पार्टी की है, जिसे इस कसौटी पर खरा उतरना बाकी है। आम आदमी पार्टी के समय में बीजेपी के कई बड़े नेता इस मामले को लेकर केजरीवाल को घेरते थे और कहते थे कि पटाखों पर बैन लगाना हिंदुत्व पर प्रहार है, हालांकि आदेश हर बार कोर्ट का ही होता था और अब भी कोर्ट का ही है। अब यह देखना बाकी है कि दिल्ली सरकार कितनी सक्रियता दिखाती है और किस तरह का समाधान निकालती है। दरअसल, हम प्रदूषण को लेकर आज तक यह तय नहीं कर पाए हैं कि इसकी असली वजह क्या है।

इस मामले को लेकर विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। कुछ कहते हैं कि सर्दियों के मौसम में प्रदूषण अपने आप बढ़ जाता है। बीते लगभग दो दशकों में दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने का सबसे बड़ा कारण यह रहा कि दिल्ली से सटे हर कोने में जितनी हरियाली थी, वहां अब बड़ी-बड़ी इमारतें बन चुकी हैं। जैसे गाजियाबाद से सटे राज नगर में लाखों फ्लैट बन चुके हैं। दूसरी ओर गुरुग्राम में जितनी हरियाली थी, आज वहां एक-

एक इंच जमीन किसानों ने बेच दी और वहां भी लाखों फ्लैट बन चुके हैं। बल्कि एशिया के सबसे महंगे फ्लैट वहां बिकने लगे हैं। वहीं तीसरी ओर लोनी बॉर्डर और चौथी ओर फरीदाबाद में भी यही स्थिति है। इसके अलावा विशेषज्ञों का मानना है कि पराली जलाना भी प्रदूषण का एक बड़ा कारण है, क्योंकि इससे हवा में हानिकारक गैसें और कण फैलते हैं, जैसे मीथेन, कार्बन मोनोऑक्साइड और पार्टिकुलेट मैटर। यह धुंध का निर्माण करता है, जो शहर की वायु गुणवत्ता को खराब करता है। पराली जलाने के कारण सर्दियों के महीनों में प्रदूषण का स्तर विशेष रूप से गंभीर हो जाता है, क्योंकि धीमी हवाएं इन प्रदूषकों को शहर के ऊपर फंसा देती हैं। दिल्ली-एनसीआर में हर रोज सैकड़ों नए वाहन खरीदे जाते हैं, अर्थात राजधानी में अपनी क्षमता से अधिक वाहन हो चुके हैं, जो प्रदूषण बढ़ने का एक और बड़ा कारण है। पटाखों को लेकर कोर्ट की सबसे जटिल समस्या यह है कि दीपावली सर्दी के मौसम में आती है, जब दिल्ली में प्रदूषण पहले से ही बहुत अधिक होता है। कोर्ट का मानना है कि पटाखे जलाने से प्रदूषण और भी बढ़ जाता है। लेकिन प्रतिबंध के बावजूद पटाखों की बिक्री और खरीद में कोई कमी देखने को नहीं मिलती। पटाखों पर प्रतिबंध को कुछ लोग अपनी आस्था पर चोट मानते हैं, जिसको लेकर कई हिंदूवादी संगठनों और नेताओं के बयान हर वर्ष देखने और सुनने को मिलते हैं। यह बात तय है कि दिवाली हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है और इस पर्व पर पटाखे न जलाकर त्योहार अधूरा लगता है। जब से सनातन परंपरा का उदय हुआ है, तब से यह प्रथा चली आ रही है, और उसे निभाए बिना त्योहार पूरा नहीं लगता।

सवाल यही है कि दिल्ली में इसका समाधान कैसे संभव है, क्योंकि हर वर्ष यही स्थिति दोहराई जाती है, जो त्योहार के उत्साही लोगों में कुंठा पैदा कर रही है। कोर्ट और जनता के बीच फंसा यह भावनात्मक घटनाक्रम अब निराशा का रूप ले चुका है। इसमें एक सवाल यह उठता है कि आखिर राजधानी में इतना पटाखा आ कहां से रहा है? पूर्ण रूप से प्रतिबंध होने के बावजूद इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे किस तरह आ रहे हैं? स्थिति स्पष्ट है कि तंत्र की मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं है। तो फिर यह ड्रामा क्यों किया जा रहा है? बहरहाल, कोर्ट और सरकार को इसका कोई स्थायी समाधान निकालना चाहिए, जिससे लोगों के मन की कुंठा भी दूर हो और त्योहार भी मनाया जा सके।

आरटीआई कानून को प्रभावकारी बनाने की जरूरत

वजाहत हबीबुल्लाह

भारत का प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त होने के नाते मुझे राजस्थान स्थित ब्यावर में आयोजित सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के 20 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में हुए समारोह में आमंत्रित किया गया, वह शहर जहां 1996 में इस प्रकार का कानून बनाए जाने के समर्थन में पहला सार्वजनिक प्रदर्शन हुआ था। अपने संबोधन की शुरुआत मैंने गुरुदत्त की क्लासिक फिल्म 'कागज के फूल' के गीत की पंक्तियों से की—'वक्त ने किया क्या हसीं सितम, तुम रहे न तुम हम रहे न हम...।'ऐसे जबकि 2005 में आए इस अधिनियम की सालगिरह मनाई जा रही है, इसको लेकर गर्मागर्म बहसें भी चली हुई हैं, अक्सर भावनात्मक, यह क्या फायदे लेकर आया और क्या चुनौतियां भी। कहा जा सकता है कि 2014 के राष्ट्रीय चुनावों में यह उसी सरकार को मुश्किल में डालने के कारणों में से एक रहा, जिसने इस अधिनियम को लागू किया था।

अगली सरकार ने घोषित तौर पर पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांत को बरकरार रखने की बात कही और प्रशासन एवं सरकार की पहचान अलग रखने का प्रयास किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 के अपने चुनाव अभियान में 'पारदर्शिता अधिकतम और प्रशासनिक अड़ंगे न्यूनतम' रखने का वादा किया था- 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देकर प्रशासन में जन भागीदारी बढ़ाने का वादा। फिर भी, जैसा कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश एपी शाह ने हाल ही में ब्यावर में आयोजित एक आरटीआई मेले में अपने संबोधन में उल्लेख किया है, कानून में संशोधन और गोपनीयता की सुरक्षा के लिए बनाए गए नए कानून के पारित होने के कारण सूचना आयुक्तों का अधिकार क्षेत्र घटा है और यह सूचना आयोगों की स्वतंत्रता में भी ह्रास करने वाला है। आगे, आरटीआई अधिनियम की धारा 8 में भी एक संशोधन किया गया है, जिसमें सार्वजनिक हित स्थापित होने पर निजी मानी जाने वाली जानकारी के प्रकटीकरण की अनुमति थी। इसलिए, यह अधिनियम शासन की प्रकृति के संदर्भ में परिवर्तनकारी रहा।

यह सर्वमान्य सिद्धांत है कि लोकतंत्र में सरकार का सार तत्व पारदर्शिता है, ताकि प्रत्येक अंग - कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका- नागरिक के प्रति जवाबदेह हो। लेकिन जहां तक भारत में नौकरशाही की मानसिकता का प्रश्न है, 'माई-बाप' वाली सामंती सोच गणतंत्र के जन्म के बाद भी लंबे समय तक कायम है।ऐसूचना का अधिकार अधिनियम घोषित करता है कि लोकतंत्र के लिए एक जागरूक नागरिक वर्ग और सूचना की पारदर्शिता होना आवश्यक है, जो इसके संचालन के लिए तो अत्यंत आवश्यक है ही, साथ ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकारों एवं उनके तंत्रों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए भी जरूरी है। इस प्रकार, यह अधिनियम लोकतंत्र में नागरिकों को शासन में प्रमुख भागीदार बनाने का प्रयास करता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो यह कानून शासन को अत्यधिक सुदृढ़ बनाने में एक माध्यम है।

दो प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठनों - सूचना का अधिकार आकलन एवं विश्लेषण समूह (आरएएजी) और जन सूचना के अधिकार के लिए राष्ट्रीय अभियान ने अपनी जन आकलन रिपोर्ट (2008) में 11 राज्यों से प्राप्त फीडबैक के विस्तृत विश्लेषण के आधार पर पाया कि आरटीआई अधिनियम को लेकर जागरूकता स्तर, अपने प्रारंभिक चरण में किसी भी अन्य कानून के बारे में जागरूकता की तुलना में काफी ऊपर था। सर्वे में भाग लेने वाले 40 प्रतिशत से अधिक शहरी उत्तरदाताओं को इस अधिनियम के बारे में जानकारी थी, हालांकि ग्रामीण उत्तरदाताओं में यह आंकड़ा 20 फीसदी से भी कम था। ग्रामीण भारत में जागरूकता के स्रोत में समाचार पत्र (35 प्रतिशत), टेलीविजन एवं रेडियो, दोस्त-रिश्तेदार (प्रत्येक 10 प्रतिशत), और एनजीओ (5 प्रतिशत) थे। शहरी क्षेत्र के लोगों में सजगता का मुख्य स्रोत समाचार पत्र (30 प्रतिशत), एनजीओ (20 प्रतिशत), टीवी (20 प्रतिशत) दोस्त और रिश्तेदार (10 प्रतिशत) था। नकारात्मक पहलू यह पाया गया कि प्रशासनिक अड़चनें आवेदन दाखिल करने में अड़ंगा डालती रहीं। यह मुश्किल इस तथ्य से और बढ़ गई कि देश भर में अधिनियम को लागू करने के लिए आरटीआई नियमों के 114 अलग-अलग सेट थे और ऐसी कोई एक जगह नहीं थी जहां वे सभी सुलभ हों। कुछ राज्यों ने तो अधिनियम की धारा 4(4) के बावजूद केवल स्थानीय भाषा में पत्राचार पर जोर दिया, जबकि उक्त धारा कहती है: आवश्यक है कि सूचना 'उस क्षेत्र में संचार की सबसे प्रभावशाली विधि' द्वारा प्रदान की जाए।

ये आरंभिक कठिनाइयां काफी हद तक काबू कर ली गयी हैं और आज हरेक केंद्रीय मंत्रालय और राज्यों के विभाग इस अधिनियम के तहत अपने यहां इसके लिए अनिवार्य वेबसाइट लिंक होने पर गर्व कर सकते हैं। राजस्थान में इसके लिए 'जन सूचना' तो कर्नाटक में 'माहिती कनाजा' पोर्टल हैं, जो उन सभी सरकारी विभागों तक पहुंच प्रदान करते हैं, जिससे उन सूचनाओं के लिए औपचारिक रूप से आवेदन करने की जरूरत से छुटकारा मिल जाता है, जिन्हें कानून सामान्य मानता है लेकिन औसत उपभोक्ता के लिए रोजमर्रा के काम की हैं। सार्वजनिक प्राधिकरणों पर आरटीआई अधिनियम के प्रभाव पर निष्कर्षों के आकलन में, 2006 की रिपोर्ट में पाया गया कि 20 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण और 45 प्रतिशत शहरी पीआईओ (लोक सूचना अधिकारी) ने दावा किया कि कानून के कारण उनके कार्यालयों के कामकाज में बदलाव आए हैं।

पद्मावती मंदिर

आंध्र प्रदेश के तिरुचानूर में माता लक्ष्मी का प्रसिद्ध श्री पद्मावती देवी मंदिर स्थित है। तिरुपति बालाजी जाने वाले भक्तों को पद्मावती मंदिर जरूर जाना चाहिए। मान्यता है कि तिरुपति आने वालों की मनोकामना तभी पूरी होती हैं जब वो पद्मावती देवी के दर्शन भी किए जाते हैं। यहां दिवाली बहुत ही धूमधाम से मनाई जाती है।

श्री महालक्ष्मी मंदिर

अपने वैभव के लिए जाना जाने वाला देवी लक्ष्मी मंदिर मध्य प्रदेश के रतलाम में स्थित है। यहां दिवाली बहुत ही धूमधाम से मनाई जाती है। धनतेरस से लेकर दिवाली तक इस मंदिर में माता लक्ष्मी को सोने के आभूषणों से सजाया जाता है। यहां दिवाली में माता केभक्तों की बहुत भीड़ होती है। दिवाली मनाने से पहले या दीपावली वाले दिन आप इस मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं। माता के दर्शन से लाभ होगा।

माता लक्ष्मी के दिवाली पर इन मंदिरों में करें दर्शन

दीपों का त्योहार दिवाली इस साल 20 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। पूरे भारत में दिवाली का त्योहार बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। माना जाता है कि कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं। इसलिए इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस मौके पर लोगों के घरों, दफ्तरों और मंदिरों में माता लक्ष्मी का पूजन होता हैं। दिवाली की रात शुभ मुहुर्त में लक्ष्मी पूजन किया जाता है। इस मौके पर आप महालक्ष्मी के प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन भी कर सकते हैं। दीपोत्सव के दौरीन इन लक्ष्मी मंदिरों में धूमधाम से दिवाली मनाई जाती है। जहां आप दिवाली के मौके पर दर्शन करने और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद पाने के लिए जा सकते हैं।

श्रीपुरम महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर

श्रीपुरम महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर को दक्षिण भारत का स्वर्ण मंदिर कहा जाता है। माता रानी का ये मंदिर लगभग 1500 किलोग्राम शुद्ध सोने से निर्मित है। यह मंदिर तमिलनाडु में है। यहां दिवाली पर बहुत से भक्त अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए जाते हैं। यहां दिवाली पर बहुत भीड़ होती है, दिवाली पर इस मंदिर को बहुत ही सुन्दर सजाय जाता है। यह मंदिर लगभग 100 एकड़ में बना है।

महालक्ष्मी मंदिर

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में महालक्ष्मी मंदिर है। यहां हर भक्त की मनोकामना पूरी होती है। इस मंदिर में माता लक्ष्मी के साथ माता काली और माता सरस्वती भी विराजमान हैं। दिवाली पर मंदिर को बहुत ही सुंदर सजाया जाता है और भव्य पूजा की जाती है। दिवाली पर माता लक्ष्मी जी के दर्शन के लिए यहां जा सकते हैं। इस दिन दर्शन करने जाना शुभ माना जाता है। लोगों का मानना है कि दिवाली के दिन ऐतिहासिक मंदिरों में माता के दर्शन से धन की प्राप्ति होती है।

लक्ष्मीनारायण मंदिर

दिल्ली का लक्ष्मीनारायण मंदिर बिड़ला मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर में माता लक्ष्मी अपने पति श्री विष्णु भगवान के साथ विराजमान हैं। यहां भक्तों की बहुत भीड़ देखने को मिल जाती है। मान्यता है कि इस मंदिर में आने वाले सभी भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। दिवाली में यहां लोग अपनी मनोकामना को पूरी करने के लिए जाते हैं।

हंसना मना है

पति- देखो बाहर बारिश हो रही है।
पत्नी- कुछ सोचना भी मत। घर में बेसन नहीं है, प्याज वैसे भी बहुत महंगे हैं और आज बाई भी नहीं आई है, सारे बर्तन जूठे पड़े हैं। हां, अब ये मत कह देना कि चलो एक गिलास और आइस दे दो, बच्चे अब बड़े हो गए हैं, ये सब अब घर में बिल्कुल नहीं चलेगा। पति झल्लाकर बोला- अब क्या मैं ये भी नहीं कह सकता हूं कि बाहर बारिश हो रही है।

भिखारी- बाबूजी आप मुझे 150 रुपये देकर मेरी मदद कीजिए। मैं अपने परिवार से बिछुड़ गया हूं।
मोनू- पहले बताओ तुम्हारा परिवार कहां है? भिखारी- मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

संता- यार मेरे बोर्ड के एग्जाम शुरू होने वाले हैं, बंता- अबे तो डरता क्यों है? संता- सब बोलते हैं दसवीं का एग्जाम ही सबसे इम्पोर्टेन्ट हैं, बंता- अबे ज्यादा टेंशन मत ले, 10वीं की मार्कशीट तो बस जन्मतिथि देखने के काम ही आती है।

टीचर- डेट और तारीख में क्या अंतर होता है ? सारी क्लास चुप, गप्पू- सर, डेट में गर्लफ्रेंड के साथ जाते है और तारीख में वकील के साथ।

कहानी | रंग-बिरंगे नाखून

एक बार राजा कृष्णदेव राय के दरबार में एक बहेलिया आया। बहेलिये को देख राजा काफी खुश हुए, क्योंकि राजा को पशु-पक्षी बहुत प्यारे थे। बहेलिया बोला कि महाराज, मैं कल ही इस खूबसूरत और विचित्र पक्षी जंगल से पकड़कर लाया हूं। यह बहुत सुरीला है और तोते की तरह बात कर सकता है। साथ ही यह मोर की तरह नाच भी सकता है। इसलिए मैं इस पक्षी को आपके पास बेचने के लिए लाया हूं।'महाराज काफी खुश हुए और बोले कि देखने में तो यह पक्षी खूबसूरत नजर आ रहा है। मैं इसे जरूर खरीदूंगा और तुम्हें उचित इनाम भी दिया जाएगा।' राजा ने बहेलिये को 50 सोने के सिक्के दिए और पक्षी को शाही बगीचे में रखने का आदेश भी दिया। यह देख तेनालीराम ने कहा कि महाराज मुझे नहीं लगता है कि यह पक्षी मोर की तरह नाच सकता है। मुझे तो यह भी लगता है कि यह पक्षी कई सालों से नहाया तक नहीं है।'यह सुनते ही बहेलिया घबरा गया और बोला कि महाराज मैं बहुत ही गरीब बहेलिया हूं। पंछियों को पकड़कर और उन्हें बेचकर ही मेरा घर चलता है। जितना मैं पशु-पक्षियों को जानता हूं, उसे प्रमाण की जरूरत नहीं है और न ही शक किया जाना चाहिए। बेशक, मैं गरीब हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि तेनाली राम जी मुझे गरीब कहेंगे?'यह बात सुनकर महाराज ने तेनाली से कहा कि क्या तुम अपनी इस बात को साबित कर सकते हो?'तेनाली ने कहा कि हां, महाराज मैं साबित कर सकता हूं।' ऐसा कहते हुए तेनाली एक जग में पानी भकर ले आए और पिंजरे में बंद पक्षी पर डाल दिया। ऐसा करते ही दरबार में बैठा हर कोई आश्चर्यचकित होकर पक्षी की तरफ देखने लगा। राजा भी पक्षी को देखकर चौंक गए। क्योंकि उस पर लगा सारा रंग उतर गया। पिंजरे में बंद पक्षी का रंग हल्का भूरा हो गया। राजा चौंक कर तेनाली की तरफ देखने लगे। तेनाली ने झट से राजा से कहा कि 'महाराज यह एक जंगली कबूतर है न कि कोई विचित्र पंछी।'महाराज ने तेनाली से पूछा कि तेनाली तुम्हें इस बात का कैसे पता चला कि इस पक्षी को रंगा गया है?' तेनाली ने जवाब दिया कि 'महाराज बहेलिये के नाखूनों पर गौर करें। बहेलिये के रंगीन नाखून और पक्षी का रंग एक जैसा ही है। इस बात से यह पता चल जाता है कि बहेलिये ने पक्षी को रंगा था।' यह सब देखकर बहेलिया वहां से भागने ही वाला था कि सैनिकों ने उसे पकड़ लिया। राजा ने उसे जेल में बंदी बनाने का आदेश दिया और उसके सोने के सिक्के तेनालीराम को दे दिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बुरी खबर मिल सकती है।

वृषभ

मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन

पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जल्दबाजी न करें। आत्मसम्मान बना रहेगा।

कर्क

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह

दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कन्या

यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी।

तुला

सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक

चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु

चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

मकर

यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

कुम्भ

ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। विवेक से कार्य करें।

मीन

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

बॉलीवुड | मन की बात

जब तक अच्छा माहौल नहीं होगा तब तक अच्छी फिल्में नहीं बन सकतीं : गोविंदा

हीरो नंबर 1 गोविंदा एक समय पर स्टार थे। वो जो भी फिल्म करते बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित होती। लेकिन कहते हैं एक एक्टर का हमेशा अच्छा दौर नहीं चलता। गोविंदा के करियर में वो वक्त भी आया जब उनकी बैक टू बैक कई फिल्में पिटीं। अपने डाउनफॉल पर एक्टर ने टॉक शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल पर रिएक्ट किया है। उनके साथ शो में चंकी पांडे भी गेस्ट बने। गोविंदा ने बताया कैसे जिंदगी एक वक्त ठहर सी जाती है। उस दौर में उन्हें लेकर ढेर सारे आर्टिकल छपते थे। एक्टर का मानना है कितने भी अच्छे डायलॉग, प्लानिंग और गाने क्यों ना डाल लो। जब तक अच्छा माहौल नहीं होगा, अच्छी फिल्म नहीं बन सकती है। वो कहते हैं- कभी-कभी जीवन ठहर सा जाता है। आप कितनी भी अच्छी प्लानिंग कर लीजिए, आप कितने भी अच्छे डायलॉग लिखवा लीजिए, गाने करवा लीजिए, पर वो कामयाब तब होते हैं जब एक माहौल तैयार होता है। उन्होंने फिल्म पार्टनर में अपनी कास्टिंग को लेकर भी बात की। वो कहते हैं- मुझे लगता है आर्टिस्ट जैसे किसी गर्भ में रहते हैं। हमें लगता है हमारा एक बार जन्म होता है। लेकिन हम खुशकिस्मत हैं कि बार-बार पैदा होते हैं। कहीं कहीं आर्टिकल आया कि, गोविंदा गया, गोविंदा गया, मैंने सोचा चलो एक पिक्चर शुरू करते हैं। मैंने फिल्म आ गया हीरो की। इससे पहले मैं डेविड धवन से मिला। उन्होंने मुझे सलाह दी कि सोहेल खान के साथ फिल्म बनाते हैं। हीरो सलमान खान होंगे। ऐसे पार्टनर फिल्म आई। मालूम हों, पार्टनर मूवी 2007 में आई थी। ये रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा थी। इसे डेविड धवन ने बनाया था। सोहेल खान और पराग सांघवी ने प्रोड्यूस किया था। इसमें सलमान खान, गोविंदा, लारा दत्ता, कटरीना कैफ लीड रोल में थे। मूवी हिट हुई थी।

अंडरवर्ल्ड का डरावना नजारा लेकर आ रहे रेमो डिसूजा

बॉलीवुड फिल्म डोंगरी गैंगस्टर्स पैराडाइज की खास झलक आज रिलीज कर दी गई है। जिसमें अंडरवर्ल्ड का डरावना नजारा साफ दिखाई दे रहा है। इस फिल्म के डायरेक्शन की कमान भारत के फेमस कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा ने संभाली है। फिल्म संदीप सिंह के प्रोडक्शन में बनकर तैयार होगी।

मेकर्स ने गुरुवार को फिल्म डोंगरी गैंगस्टर्स पैराडाइज की एक खास शेयर की गई। जिसकी शुरुआत एक लिफ्ट से होती है। उसके बाद पुराने जमाने की ब्लैक मर्सिडीज दिखाई पड़ती है। जिसकी खिड़की से सिगरेट पीता हुआ हाथ दिखाई पड़ता है। फिर अचानक से एक आधा चेहरा सामने दिखाई देता है-जिसने ब्लैक चश्मा पहना हुआ है। जो डॉन की तरह दिखाई पड़ रहा है। यह कार एक होटल के पास रुकती है और फिर गोलियों की बौछार शुरू हो जाती है। इस छोटे से टीजर में जन्नत में खुदा की और बंबई में सिर्फ गैंग की चलती

थी। और बंबई में गोली और दोनों ही सस्ती थी। जैसे दमदार डायलॉग सुनाई दिए। वहीं कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा ने अपनी फिल्म डोंगरी गैंगस्टर्स पैराडाइज की खास झलक इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मुंबई अंडरवर्ल्ड फिर से उठ खड़ा हुआ। पेश है डोंगरी गैंगस्टर्स पैराडाइज, मुंबई के दिल से एक कच्चा, इमोशनल और विस्फोटक एक्शन ड्रामा।

इस फिल्म की कहानी क्लासिक मुंबई अंडरवर्ल्ड शैली को सभी के सामने लेकर आ रही है। यह फिल्म 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की कहानी और डायलॉग मिलाप मिलान जावेरी लिखे हैं। डोंगरी गैंगस्टर्स पैराडाइज को संदीप सिंह प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस गैंगस्टर्स ड्रामा एक्शन फिल्म का डायरेक्शन रेमो गोपी डिसूजा करेंगे।

बता दें कि रेमो डिसूजा ने बतौर कोरियोग्राफर करीब 100 से अधिक फिल्मों में काम किया है। बाजीराव मस्तानी में कोरियोग्राफी करने के लिए उन्हें नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा वो टीवी के रियलिटी सो डांस इंडिया डांस, डांस प्लस, डांस चैम्पियन, नच बलिए और झलक दिखला जैसे शो में जज बने थे। वहीं रेमो ने कई बॉलीवुड के कई बड़े सुपरस्टार के साथ काम किया है। जिसमें रणबीर, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट, वरुण धवन, टाइगर श्रॉफ से लेकर माधुरी दीक्षित, सलमान खान और शाहरुख खान तक वे कोरियोग्राफर रह चुके हैं।

अगले महीने खुलेंगे 'दिल्ली क्राइम-3' के कई राज

नेटफ्लिक्स की पॉपुलर सीरीज दिल्ली क्राइम के तीसरे सीजन का टीजर सामने आ गया है। इसके साथ ही इसकी रिलीज डेट का भी खुलासा हो गया है। शो में इस बार दिल्ली के क्राइम का एक नया चैप्टर खुलने वाला है। जो पूरे देश को हिला कर रख देता है। वहीं इस सीजन को और भी मजेदार बनाने के लिए मेकर्स ने इस बार नए चेहरों को शो में कास्ट किया है।

टीजर की शुरुआत में बड़ी दीदी का जिक्र किया जाता है। जिसके बाद हुमा कुरैशी को दिखाया जाता है। यानी बड़ी दीदी कोई और नहीं बल्कि हुमा कुरैशी ही है। जो युवा लड़कियों का सौदा करके अपना साम्राज्य खड़ा करती है। इसकी कहानी एक बड़े पैमाने पर मानव तस्करी रैकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। इस गिरोह को कौन चला रहा है। ऐसे ही सवालों के जवाब ढूंढने के लिए एक्ट्रेस शेफाली शाह फिर मैडम सर बनकर बड़ी गुत्थी सुलझाने के लिए आ रही हैं। बता दें कि पहले सीजन में निर्भया केस की कहानी दिखाई गई थी। दूसरे सीजन में चड्डी बनियान गैंग को एक्सपोज किया गया था। इस सीरीज की डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी का रोल प्ले कर रहीं शेफाली शाह ने कहा, मैडम सर के रूप में वापसी करना हमेशा बेहद पर्सनल एहसास होता है। मेरे लिए और आज के समय में उनकी अहमियत मेरी नजरों में और भी बढ़ गई है। वर्तिका एक ऐसे दुश्मन से लड़ रही हैं जो न सिर्फ सीमाओं के पार है, बल्कि रोजमर्रा के समाज की छाया में भी मौजूद है। मानव तस्करी सिर्फ कुछ लोगों का काम नहीं है, यह एक ऐसे समाज का लक्षण है जो नज़रअंदाज करता है। लेकिन वर्तिका अपनी असली पहचान के साथ लड़ती रहती हैं, भले ही इसका मतलब इस काली दुनिया के चंगुल से सिर्फ एक जान बचाना ही क्यों न हो।

वहीं मीना के रूप में इस फ्रैंचाइजी में शामिल हुईं हुमा कुरैशी ने कहा, एक निगेटिव रोल प्ले करना, खासकर मीना जैसे किरदार की एक शक्तिशाली लेकिन बेचैन करने वाला अनुभव था। वह आघात से ग्रस्त है, फिर भी उसका नियंत्रण बहुत मज़बूत है। वह एक ऐसी महिला है जो पीड़ित और अपराधी दोनों है।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे लंबी फ्लाइट

यह फ्लाइट बिना रुके 19 घंटे में तय करती है 10,800 किमी. का सफर

प्लेन में बैठना आज भी बहुत से लोगों का सपना होता है। हवाई यात्राएं मनोरंजक होती हैं क्योंकि ये जल्द ही लोगों को अपने गणतव्य तक पहुंचा देती हैं। मगर सोचिए कि अगर फ्लाइट भी ट्रेन जितनी देरी करे तो दुनिया की सबसे लंबी फ्लाइट 19 घंटे 20 मिनट की यात्रा करती है। पर ये मत सोचिए कि ये इतनी देर में ट्रेन जितनी ही दूरी पार कर पाती होगीज्ये फ्लाइट 19 घंटे में 10 हजार किमी से ज्यादा का सफर तय कर लेती है। हवाई यात्रा के इतिहास में नया रिकॉर्ड बन गया है। अब दुनिया की सबसे लंबी नॉनस्टॉप उड़ान का खिताब सिंगापुर एयरलाइंस से छिनकर शियामेन एयर के नाम हो गया है। यह फ्लाइट न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से चीन के फूझो चांगले इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक बिना रुके उड़ती है। इस उड़ान की कुल अवधि 19 घंटे 20 मिनट है- यानी यात्रियों को लगभग पूरा एक दिन आसमान में बिताना पड़ता है। यह अब तक की सबसे लंबी नॉनस्टॉप वाणिज्यिक उड़ान मानी जा रही है। यह रूट 2017 से 2020 तक संचालित हुआ था, लेकिन कोविड-19 महामारी के दौरान बंद हो गया। 2024 में इसे दोबारा शुरू किया

गया और अक्टूबर 2025 से इसे आधिकारिक रूप से दुनिया की सबसे लंबी उड़ान घोषित किया गया। इस रूट की कुल दूरी 7,077 मील (लगभग 10,800 किलोमीटर) यानी 6,752 नौटिकल माइल्स है। हालांकि, यह उड़ान दूरी के हिसाब से सबसे लंबी नहीं, बल्कि समय के हिसाब से सबसे लंबी है। इसका कारण है कि शियामेन एयर रूस के हवाई क्षेत्र से होकर नहीं उड़ती, जिससे विमान को एक वैकल्पिक लंबा रास्ता अपनाना पड़ता है। यही वजह है कि यह यात्रा लगभग 20 घंटे की बन जाती है। अन्य एयरलाइंस, जैसे कैथे पैसिफिक, कभी-कभी रूसी हवाई क्षेत्र से होकर उड़ान भरती हैं, जिससे उनका सफर छोटा पड़ता है। उदाहरण के लिए, कैथे की JFK से हांगकांग फ्लाइट की अवधि 16 घंटे 25 मिनट है। तकनीकी प्रगति के साथ नए विमान मॉडल अब ज्यादा ईंधन ले जाने में सक्षम हैं। इससे अल्ट्रा-लॉन्ग नॉनस्टॉप फ्लाइट्स संभव हो पाई हैं। कई यात्री अब लंबे लेओवर से बचना चाहते हैं और एक ही बार में मंज़िल तक पहुंचना पसंद करते हैं। लंबी दूरी की उड़ानें कनेक्टिंग फ्लाइट मिस होने के तनाव से भी राहत देती हैं और कई यात्रियों के लिए यह ज्यादा सुविधाजनक विकल्प बन गई हैं।

19वीं सदी में ब्रिटिश कंपनियों ने दूध और चीनी डालकर भारत को चाय पीने के लिए किया प्रेरित

चाय के बिना दिन अधूरा!- दुनिया के अधिकांश लोग सुबह और शाम की शुरुआत चाय के बिना नहीं करते। भारत में तो यह एक आदत नहीं, बल्कि एक भावना बन चुकी है। भारत में चाय का जन्म नहीं हुआ था- चाय भारत की देन नहीं है। इसे 19वीं सदी में ब्रिटिश राज के दौरान बड़े पैमाने पर उगाया गया- शुरू में सिर्फ निर्यात के लिए। 1900 के दशक में ब्रिटिश कंपनियों ने भारत में चाय का प्रचार किया और लोगों को दूध और चीनी डालकर पीने के लिए प्रेरित किया- यही प्रयोग बाद में देशभर की पहचान बन गया। भारतीय रसोई का अभिन्न हिस्सा है **दूध**- दूध भारतीय रसोई में पोषण, पवित्रता और परंपरा का प्रतीक है। इसलिए जब चाय में दूध मिला, तो वह सिर्फ पेय नहीं रही, बल्कि सुकून और अपनापन का प्रतीक बन गई। **मसाला चाय का जादू**- भारत में चाय में अदरक, इलायची, दालचीनी और लौंग जैसे मसालों का स्वाद जोड़ा गया- जिसने इसे हर सड़क, स्टेशन और नुक्कड़ का पसंदीदा पेय बना दिया। **चाय है भारत की एकता की पहचान**- भाषा, धर्म या खानपान में भले फर्क हो, लेकिन एक कप चाय भारत के हर कोने में लोगों को जोड़ता है। यही इसे राष्ट्रीय पेय जैसा दर्जा देता है। **बाकी दुनिया क्यों नहीं डालती दूध?**- चीन और जापान में चाय को उसके असली स्वाद और खुशबू के लिए बिना दूध के पिया जाता है। यूरोप में भी चाय को हल्के दूध या बिना दूध के पसंद किया जाता है। **विज्ञान भी कहता है कि दूध वाली चाय है फायदेमंद**- दूध में मौजूद प्रोटीन चाय की कसैलेपन को कम करते हैं। अदरक और इलायची पाचन और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं- यानी स्वाद के साथ सेहत का संगम।

गुजरात सरकार किसानों पर लगे केस वापस ले : केजरीवाल

» आप नेता प्रवीण राम और राजू करपड़ा की गिरफ्तारी पर भाजपा पर बरसे आप संयोजक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात की भाजपा सरकार द्वारा किसानों की आवाज उठा रहे पार्टी के नेता प्रवीण राम और राजू करपड़ा की गिरफ्तारी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि गुजरात की 30 साल की भाजपा सरकार ने दमन की इंतहा कर दी है। किसानों के पक्ष में आवाज उठाने के जुर्म में गुरुवार को आम आदमी पार्टी के दो नेताओं प्रवीण राम और राजू करपड़ा को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने गुजरात में कांग्रेस के हश्र की याद दिलाते हुए भाजपा से कहा कि 1985 में गुजरात में कांग्रेस की 182 में से 149 सीट आई थीं और कांग्रेस को अहंकार हो गया।

1987 में किसान आंदोलन हुआ। कांग्रेस ने उसका दमन किया और गुजरात के लोगों ने 149 सीट वाली कांग्रेस को अगले चुनाव में उखाड़ फेंका। पिछले 30 साल से गुजरात में भाजपा का शासन है। भाजपा को भी अब बहुत ज़्यादा अहंकार हो गया। जिस तरह से भाजपा ने किसानों का दमन शुरू किया है, गुजरात के लोग अगले चुनाव में उसको भी उखाड़ फेंकेंगे। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी शुरू से किसानों के साथ खड़ी है, हर कदम पर उनके आंदोलन को समर्थन दे रही है। पार्टी के दो नेता राजूभाई करपड़ा और प्रवीण राम आंदोलन स्थल पर लगातार मौजूद थे, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मैं गुजरात सरकार से कहना चाहता हूं कि किसानों की सभी मांगों को तुरंत पूरा किया जाए और गरीब किसानों के खिलाफ दर्ज सारे केस वापस लिए जाएं। अगर केस करने हैं तो आम आदमी पार्टी के नेताओं पर कर लीजिए। हम नहीं डरते। केंद्र में बैठी भाजपा सरकार ने मुझे, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, सत्येंद्र जैन को जेल में डाला, लेकिन हम वापस आ गए। सरकार निर्दोष किसानों को छोड़ दे 85 किसानों में दो-तीन आप नेता भी हैं, उन पर जितने चाहें केस कर लीजिए, हम केस लड़ लेंगे।

इस दमन के खिलाफ सभी एकजुट होकर सड़क पर उतरें

अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर एक वीडियो साझा कर कहा कि गुजरात के किसान बेहद दुखी हैं और अपने हक मांगने के लिए सड़कों पर उतरे हुए हैं। पिछले कुछ दिनों से जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे है। 12 अक्टूबर को बोटाद जिले के हड़द गांव में किसानों ने दो प्रमुख मांगों पर महापंचायत बुलाई। पहली मांग करदा प्रथा के खिलाफ थी। इस प्रथा के तहत किसान मंडी में फसल बेचने जाता है, जहां फसल के दाम को लेकर व्यापारी से सहमति बन जाती है। मसलन व्यापारी 1400 रुपये प्रति क्विंटल फसल लेने को तैयार हो जाता है। इसके बाद वह 10- 20 फीसद फसल 1400 रुपए में तो ले लेता है, लेकिन कुछ व्यापारी बदमाशी करते हैं और 'करदा प्रथा के तहत किसान से कहते हैं कि उसकी बाकी फसल खराब है. फिर व्यापारी बाकी फसल के कम दाम देते हैं। गुजरात में लगभग सभी किसानों के साथ यह शोषण हो रहा है, किसानों की मांग है कि बिना शोषण के तय दर पर पूरी फसल खरीदी जाए, किसान का अपनी फसल का सही दाम की मांग करना जायज है।

भाजपा सरकार ने निहत्थे किसानों पर की बर्बरता

30 साल से गुजरात पर राज कर रही भाजपा सरकार ने निहत्थे किसानों पर बर्बरता से लाठीचार्ज कर दिया और आंसू गैस के गोले छोड़े। उसी दिन 85 किसानों पर एफआईआर दर्ज कर दी गई, जिसमें किसानों पर हत्या के प्रयास की धारा 307 तक लगा दी और कई को गिरफ्तार भी किया गया।

पांच साल बाद हो सरकार के काम का आकलन : उमर

» सीएम की दरबार मूव को फिर से शुरू करने की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार के कामकाज का मूल्यांकन उसके पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद किया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार अल्पकालिक नहीं होगी और पार्टी घोषणापत्र में किए गए वादों का मूल्यांकन पूरे कार्यकाल के अंत में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सरकार छह महीने की सरकार नहीं होगी। यह एक साल की सरकार नहीं होगी। यह पांच साल की सरकार होगी। उन्होंने आगे कहा कि पांच साल से पहले सरकार के प्रदर्शन का आकलन करने से उसकी योजनाओं के पूर्ण कार्यान्वयन का पता नहीं चलेगा।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों में कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित पहले से उठाए गए कदमों का जिक्र किया। उमर ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के शासन में काम करना एक अनूठा अनुभव है। हमें उम्मीद थी कि केंद्र सरकार पहले साल के भीतर ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का अपना वादा पूरा कर देगी। हम अब भी मानते हैं कि जम्मू-कश्मीर की सभी समस्याओं का समाधान राज्य का दर्जा बहाल करने में निहित है। उमर ने चार साल से अधिक समय के अंतराल के बाद पारंपरिक द्विवार्षिक दरबार मूव को फिर से शुरू करने की घोषणा की। इस प्रथा में मौसम बदलने पर राजधानी को जम्मू और श्रीनगर के बीच स्थानांतरित किया जाता है।

कांग्रेस पटवारी पर एफआईआर से भड़की

» बोली- विपक्ष राजनीति न करे तो क्या मछली मारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास पर बिना अनुमति प्रदर्शन करने के आरोप में पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी, कांग्रेस प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश नायक, और 20 से अधिक अज्ञात कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज होने के बाद सियासी पारा चढ़ गया है। एफआईआर को लेकर मुकेश नायक ने तीखा पलटवार करते हुए कहा कि यह केस सिर्फ कांग्रेस के विरोध को दबाने की साजिश है। उन्होंने शिवराज को चेताते हुए कहा आपने मुकदमा दर्ज कर बहुत बड़ी गलती कर दी है। अब मैं प्याज के छिलके की तरह एक-एक परत हटाकर आने वाले छह महीनों में आपका असली चेहरा जनता के सामने लाऊंगा। ये कोई धमकी नहीं है, बल्कि एक लोकतांत्रिक जवाब है। आपने राजनीति को जिस स्तर तक गिराया है, उसका अंजाम भी आपको भुगतना होगा।

नायक ने सवाल किया कि अगर विपक्षी दल का अध्यक्ष जनता की समस्या लेकर सरकार से मिलने न जाए तो क्या करे? जीतू पटवारी किसानों की व्यथा लेकर गए थे। विपक्ष अगर जनता की बात न उठाए तो क्या वो मछली मारने की योजना बनाएगा? आप इतने बड़े महाराजा हो गए हैं कि दुखी किसान को मिलने के लिए अनुमति लेनी होगी? नायक ने शिवराज सिंह पर दोहरा चेहरा रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब हम मिलने गए तो शिवराज जी खरगोश जैसे सौम्य भाव में बात कर रहे थे, और बाहर निकलते ही हमारे खिलाफ एफआईआर करा दी। यही है उनका असली चेहरा भीतर से कुछ और, बाहर से कुछ और।

कर्नाटक में संघ पर लागू होंगे नियम

» मंत्रिमंडल ने आरएसएस की गतिविधियों को रोकने का किया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू कर्नाटक मंत्रिमंडल ने सरकारी स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक परिसरों में आरएसएस से जुड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए नए नियम लाने का फैसला किया है। मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा प्रस्तावित यह कदम शिक्षण संस्थानों की तटस्थता बनाए रखने और छात्रों के ध्रुवीकरण को रोकने पर केंद्रित है, जिसके तहत अब सार्वजनिक स्थानों पर पथ संचलन जैसी गतिविधियों के लिए सरकार की अनुमति अनिवार्य होगी।

मंत्रिमंडल ने सरकारी स्कूल और कॉलेज परिसरों में आरएसएस से जुड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नियम बनाने का फैसला किया है। मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा घोषित इस कदम ने राजनीतिक हलकों और राज्य के शिक्षा हितधारकों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। यह निर्णय कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को लिखे गए पत्र के आधार पर लिया गया है, जिसमें आरएसएस की गतिविधियों और उससे जुड़े संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। कैबिनेट बैठक के बाद मंत्री ने मीडिया को बताया कि हम जो नियम लाना चाहते हैं, वे सार्वजनिक स्थानों, सरकारी स्कूलों और सहायता प्राप्त संस्थानों से संबंधित हैं।

दो से अधिक बच्चे वालों को चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराने वाला नियम हटाने का फैसला

हैदराबाद। तेलंगाना मंत्रिमंडल ने सैद्धांतिक रूप से दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने वाले नियम को हटाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद राजस्व मंत्री पी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने के अवसर पर एक से नौ दिसंबर तक राज्य में प्रजा पालन-प्रजा विजयोत्सवम समारोह आयोजित करने का फैसला किया है। मंत्री ने कहा, मंत्रिमंडल ने स्थानीय निकाय चुनावों में दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवारों के चुनाव लड़ने पर लगे प्रतिबंध को हटाने पर पुनर्विचार किया। ऐसे समय में जब जनसंख्या नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू किया जा रहा है तो संबंधित प्रतिबंध को लागू करने की आवश्यकता नहीं है।

भाजपा इवेंट मैनेजमेंट की सरकार है : भूपेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों की हालत बदतर हो गई है। आय दोगुनी करने का नारा देने वाली भाजपा ने फसल पर लागत को दोगुना कर दिया है। सरकार इवेंट मैनेजमेंट में तो माहिर है लेकिन किसानों की असली परेशानियों से बेखबर है। सरकार 24 फसलों पर एमएसपी देने की बात करती है लेकिन हरियाणा में 24 फसलें होती ही नहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में किसानों को एमएसपी का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा और खरीद प्रक्रिया में लगातार अनियमितताएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इन दिनों किसान खाद और कीटनाशकों की किल्लत से जूझ रहे हैं। दुकानों पर यूरिया और डीएपी के लिए लंबी कतारें हैं लेकिन सरकार केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपलब्धता दिखा रही है।

अभिषेक-स्मृति बने सितंबर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

» जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ मंथ अवॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टीम इंडिया के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को आईसीसी ने सितंबर 2025 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में चुना है। अभिषेक ने एशिया कप में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए न केवल भारत को खिताबी जीत दिलाई, बल्कि 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार भी अपने नाम किया। उन्होंने सितंबर माह में खेले गए सात टी20 मैचों में 200 के स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाए।

इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत अभिषेक ने टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वोच्च रेटिंग अंक भी हासिल किए। उन्होंने इस पुरस्कार के लिए अपने साथी खिलाड़ी कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट को पछाड़ा। पुरस्कार जीतने के बाद अभिषेक ने कहा, आईसीसी का यह सम्मान जीतना मेरे लिए बेहद खास है। मुझे खुशी है कि मेरा प्रदर्शन टीम की जीत में योगदान दे सका। हमारी टीम का सकारात्मक रवैया और जीत की संस्कृति ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। वहीं, स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में तीन मैचों में क्रमशः 58, 117 और 125 रन बनाए। कुल मिलाकर मंधाना ने चार वनडे मैचों में 77 की औसत और 135.68 के स्ट्राइक रेट से 308 रन बनाए। उन्होंने तीसरे वनडे में मात्र 50 गेंदों में शतक जड़कर किसी भी भारतीय महिला बल्लेबाज द्वारा अब तक का सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। महिला वर्ग में मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स और पाकिस्तान की सिदरा अमीन को पछाड़कर यह खिताब जीता। स्मृति ने कहा, इस तरह का सम्मान एक खिलाड़ी के रूप में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मेरा हमेशा से लक्ष्य रहा है कि मैं टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर उसे जीत दिलाऊं।

टी20 विश्वकप 2026 के लिए 20 टीमें तय

नई दिल्ली। एशिया-ईएपी क्वालिफायर में यूएई ने गुरुवार को जापान को आठ विकेट से हराकर 2026 पुरुष टी20 विश्व कप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया। इसी के साथ अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए सभी 20 टीमें तय हो गईं। इससे पहले बुधवार को नेपाल और ओमान की टीमों ने टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई किया था। यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में आयोजित होगा। विश्वकप 2026 में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और श्रीलंका मेजबान होने के नाते सीधे शामिल होंगे। वहीं टी20 विश्व कप 2024 की शीर्ष सात टीमें जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज को भी स्वतः प्रवेश मिला है। इसके अलावा न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और आयरलैंड ने अपनी टी20 रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई किया।

केंद्र और हरियाणा सरकार को सुप्रीम नोटिस

शीर्ष अदालत ने डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड पर लिया स्वतः संज्ञान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाते हुए 'डिजिटल अरेस्ट और साइबर फॉड पर स्वत: संज्ञान लेते हुए मामले में दखल दिया है इसे लेकर केंद्र और हरियाणा सरकार को नोटिस जारी किया गया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने कहा कि ये मामला न्यायपालिका के नाम और मुहर का दुरुपयोग से जुड़ा है और इसे साधारण साइबर अपराध की तरह नहीं देखा जा सकता। ऐसे गंभीर अपराधों को सामान्य या नियमित अपराध नहीं माना जा सकता।

अदालत ने कहा कि यह सिर्फ एक मामला नहीं है. ऐसे 'डिजिटल अरेस्ट ठगी के कई मामले देशभर से मीडिया में सामने आ चुके हैं, जिनमें खासकर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाया गया है। अदालतों के नाम, आदेश और हस्ताक्षर की जालसाजी न्यायपालिका में जनता के विश्वास की नींव को हिला देते हैं। पीठ ने बताया कि यह मामला एक वरिष्ठ नागरिक दंपति की शिकायत से जुड़ा है, जिन्होंने आरोप लगाया कि 1 से 16 सितंबर के बीच उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट स्कैम के जरिए उनके जीवनभर की जमा-पूंजी 1.5 करोड़ को ठग लिया गया। शिकायत के मुताबिक, कुछ लोगों ने सीबीआई, आईबी और न्यायिक अधिकारियों के नाम पर वीडियो कॉल और फोन कॉल के जरिए संपर्क किया। उन्होंने व्हाट्सएप और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश दिखाकर उन्हें डराया और गिरफ्तारी की धमकी देकर पैसों का ट्रांसफर करवाया। जांच में सामने आया कि फर्जी आदेश, सील और जजों के हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया गया था। यहां तक कि एक फर्जी फ्रीज़ ऑर्डर (1 सितंबर दिनांकित) तैयार किया गया था, जिस पर पीएमएलए के तहत कार्रवाई का दावा किया गया और उस पर ईडी अधिकारी व जज के हस्ताक्षर भी जाली रूप में लगाए गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने यह स्वत: संज्ञान तब लिया जब यह पता चला कि अंबाला की एक महिला को 1.5 करोड़ का नुकसान हुआ है, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश दिखाकर धमकाया गया था। शीर्ष सूत्रों के अनुसार, जस्टिस सूर्यकांत ने जब इस गंभीर मामले की जानकारी ली तो उन्होंने इसे मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के संज्ञान में लाकर स्वत: संज्ञान मामला दर्ज करने की अनुशंसा की।

गुजरात कैबिनेट में बड़ा फेरबदल

हर्ष सांघवी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता हर्ष सांघवी ने शुक्र वार को गुजरात के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे एक दिन पहले ही राज्य के सभी 16 मंत्रियों ने कैबिनेट फेरबदल के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर इस्तीफा दे दिया था।

सांघवी, जिन्होंने 2022 के गुजरात विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार पीवीएस सरमा को 1,16,675 मतों से हराकर माजुरा निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की थी, ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत की उपस्थिति में गांधीनगर स्थित राजभवन में आयोजित एक समारोह में गुजरात के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गुजरात की भाजपा सरकार ने शुक्रवार को 26 सदस्यीय नए मंत्रिमंडल का गठन किया, जिसमें राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने उपमुख्यमंत्री और क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा ने मंत्री पद की शपथ ली। 2022 के विधानसभा चुनावों में आप उम्मीदवार को एक लाख से ज़्यादा मतों से हराकर भारी जीत हासिल करने वाले संघवी ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत की उपस्थिति में गांधीनगर स्थित राजभवन में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। नए मंत्रिमंडल में कई जाने-पहचाने चेहरे शामिल हैं, जिनमें छह मंत्री वापस आए हैं- ऋषिकेश पटेल, कनुभाई देसाई, कुंवरजी बावलिया, प्रफुल्ल पंसेरिया, पुरुषोत्तम सोलंकी और स्वयं संघवी। चार मंत्री जिन्होंने अपने विभाग बरकरार रखे हैं - ऋषिकेश पटेल, कनुभाई देसाई, कुंवरजी बावलिया और पुरुषोत्तम सोलंकी (राज्य मंत्री) - ने दोबारा शपथ नहीं ली क्योंकि उनके पद अपरिवर्तित हैं। गुजरात में आज हुए मंत्रिमंडल फेरबदल ने सितंबर 2021 के बाद से राज्य में सबसे बड़ा फेरबदल किया, जब पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उनके पूरे मंत्रिमंडल ने कथित तौर पर भाजपा आलाकमान के निर्देशों के बाद इस्तीफा दे दिया था।

यहाँ से तारीफ वहाँ से टैरिफ : जयराम रमेश

कांग्रेस का पीएम मोदी पर तंज, विदेश नीति पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने डोनाल्ड ट्रंप के रूस से तेल आयात संबंधी दावों पर पीएम मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कटाक्ष किया कि भारत के फैसलों की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति करते हैं, जबकि यहां से तारीफ और वहां से टैरिफ लगाए जाते हैं, जो विफल विदेश नीति का संकेत है।

रमेश ने पीएम से संसद में अमेरिकी व्यापार समझौते और रूसी तेल खरीद पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। डोनाल्ड ट्रंप के भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा के दावे पर बढ़ते विवाद के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। कांग्रेस में संचार मामलों के प्रभारी महासचिव रमेश ने एएनआई को बताया कि भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी में की है। यहाँ से तारीफ, वहाँ से टैरिफ।

जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद के समक्ष अमेरिकी व्यापार समझौते के बारे में विस्तृत जानकारी देने और यह भी बताने को कहा कि यह अभी तक क्यों नहीं हुआ है। रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि रूस से तेल खरीदने के पीछे की सच्चाई क्या है? अमेरिकी व्यापार समझौता अभी तक क्यों नहीं हुआ है? उन्हें संसद को विश्वास में लेना चाहिए, आम सहमति बनानी चाहिए और बताना चाहिए।

उत्तराखंड से मरीज लेकर बनारस जा रही निजी एम्बुलेंस पलटी, चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। सीतापुर जिले के अटरिया के हिंद अस्पताल के पास शुक्रवार सुबह एक निजी एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में कुल चार लोगों की मौत हो गई। थानाध्यक्ष उमाकांत शुक्ला ने बताया कि एम्बुलेंस मरीज लेकर देहरादून से बनारस जा रही थी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक निजी एम्बुलेंस मरीज को इलाज के लिए बनारस लेकर जा रही थी। हिन्द अस्पताल के पास नेशनल हाईवे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सड़क किनारे खड़ी अज्ञात 40वर्षीय महिला की मौत हो गई। वहीं, महिला के साथ रोड किनारे खड़ी बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है। बच्ची का इलाज हिंद अस्पताल में चल रहा है। हादसे में एम्बुलेंस सवार तीन लोगों व सड़क किनारे खड़ी एक अज्ञात महिला की मौत हुई है। मृतकों में एम्बुलेंस चालक गुरमीत (40) , एम्बुलेंस सवार मरीज विशाल पांडेय (48), व एक अन्य शामिल हैं।

हादसे के मृतकों की सूची

1. मरीज विशाल पांडेय (40) निवासी देहरादून -यह कमर में गम्भीर चोट का इलाज कराने बनारस जा रहे थे।
2. हिन्द गेट के सामने खड़ी महिला (करीब 40)
3. एम्बुलेंस सवार एक व्यक्ति नाम पता अज्ञात (करीब 45 वर्ष) 4. एम्बुलेंस चालक- गुरमीत (23)- निवासी हरिद्वार

घायलों का विवरण

1. दिव्यांशु पांडेय (42) निवासी कैमूर, बिहार । यह मरीज के भाई हैं।
2. हिन्द गेट के सामने महिला के साथ खड़ी बच्ची (करीब 12 वर्ष)।

बिहार में सियासी रस्साकस्सी जारी, महागठबंधन में सीट बंटवारे पर खींचतान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एनडीए का दावा- विपक्ष दिशाहीन, कांग्रेस ने भी कसी कमर

पटना। बिहार में 2025 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच सियासी रस्साक स्सी खत्म नहीं हो रही है। दोनों गठबंधन एक-दूसरे की कमियां निकालने में जुटे हैं। जेडीयू सांसद संजय झा ने विपक्षी महागठबंधन पर सीट बंटवारे को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं, आरोप लगाया कि नामांकन के आखिरी दिन तक भी वे यह तय नहीं कर पाए हैं कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा, जिससे बिहार कल्याण के प्रति उनके एजेंडे की कमी उजागर होती है। इसके विपरीत, एनडीए अपनी चुनावी रणनीति के साथ एकजुट होकर तैयार है और भारी जीत की भविष्यवाणी कर रहा है।

जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय कुमार झा ने शुक्रवार को विपक्षी महागठबंधन पर सीटों के बंटवारे को लेकर खीझ का आरोप लगाया और कहा कि चुनाव के आखिरी दिन भी वे फैसला नहीं कर पाएंगे क्योंकि उनका एजेंडा बिहार के कल्याण के लिए काम करना बिल्कुल नहीं है। जद(यू) सांसद ने बताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने अपने प्रचार कार्यक्रम शुरू कर दिए हैं और अन्य नेता भी आज से अपने अभियान शुरू कर रहे हैं।

एनडीए ने एकजुट होकर अपनी संख्याबल दिखाई : संजय झा

जेडीयू सांसद संजय झा ने कहा कि आज नामांकन का आखिरी दिन है। एनडीए ने एकजुट होकर अपनी संख्याबल की घोषणा कर दी है, अन्य नेताओं के प्रचार कार्यक्रम भी आज से शुरू हो रहे हैं, लेकिन अगर विपक्ष की बात करें, तो आखिरी दिन भी यह तय नहीं है कि कौन कहाँ से चुनाव लड़ेगा, क्योंकि उनका एजेंडा बिहार के कल्याण के लिए काम करना बिल्कुल नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता सब कुछ देख रही है और जो माहौल बन रहा है, वह एनडीए के पक्ष में भारी जीत है।झा ने कहा कि बिहार की जनता सब कुछ देख रही है। कल के चुनाव प्रचार के बाद, जो माहौल बन रहा है, वह एनडीए के पक्ष में भारी जीत है... हम भारी अंतर से चुनाव जीतेंगे।

कांग्रेस की 48 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी

कांग्रेस पार्टी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 48 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) प्रमुख राजेश राम कुटुम्बा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे, जबकि कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता शकील अहमद खान कदवा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। कुल 48 उम्मीदवारों में से 24 पहले चरण के चुनाव में और 24 दूसरे चरण में चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने कहा कि शेष नामों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) द्वारा अनुमोदित सूची में बगहा से जयेश मंगल सिंह, नौतन से अमित गिरी, चनपटिया से अभिषेक रंजन, बेतिया से वसी अहमद, रीगा से अमित कुमार सिंह टुन्ना, खगड़िया से डॉ. चंदन यादव और भागलपुर से अजीत कुमार शर्मा शामिल हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।